



**Mohanlal Sukhadia University**

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, 313001

**NAAC-SSR (Assessment Year: 2017-22)**

**Criterion- 7**

**Institutional Values and Best Practices**

**Key Indicator 7.1.7:**

Barrier Free Environment for Divyangjan

**Supporting Documents**

## Skill Orientation Capacity Building (Divyangjan)

Date: 12/01/2020

Resource persons: Students of Centre

Objectives: To teach skill of jewellery and key chains making with fabric and wool.

### Highlights:

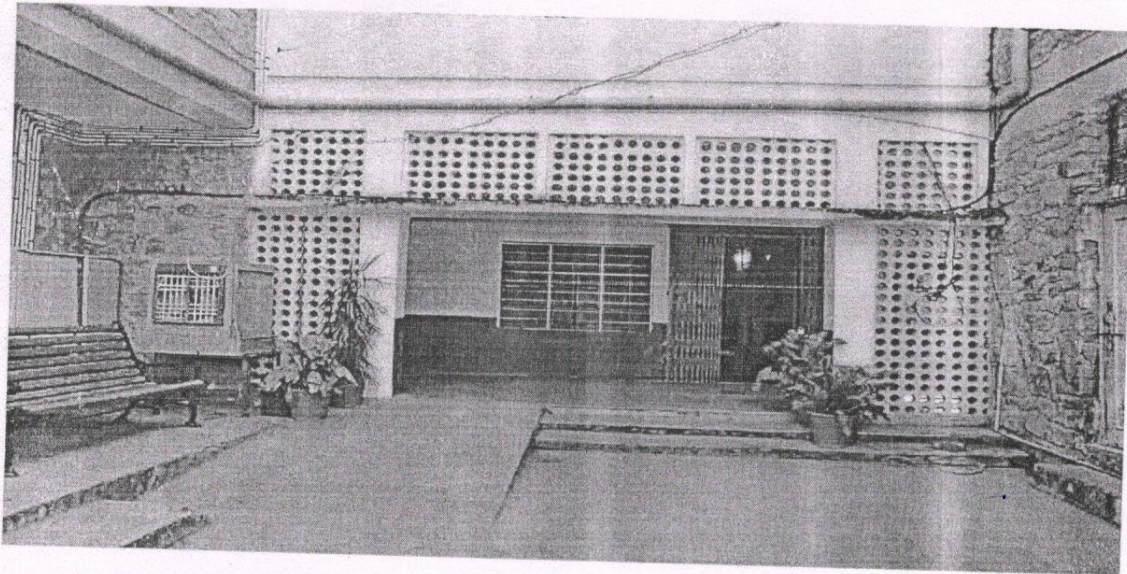
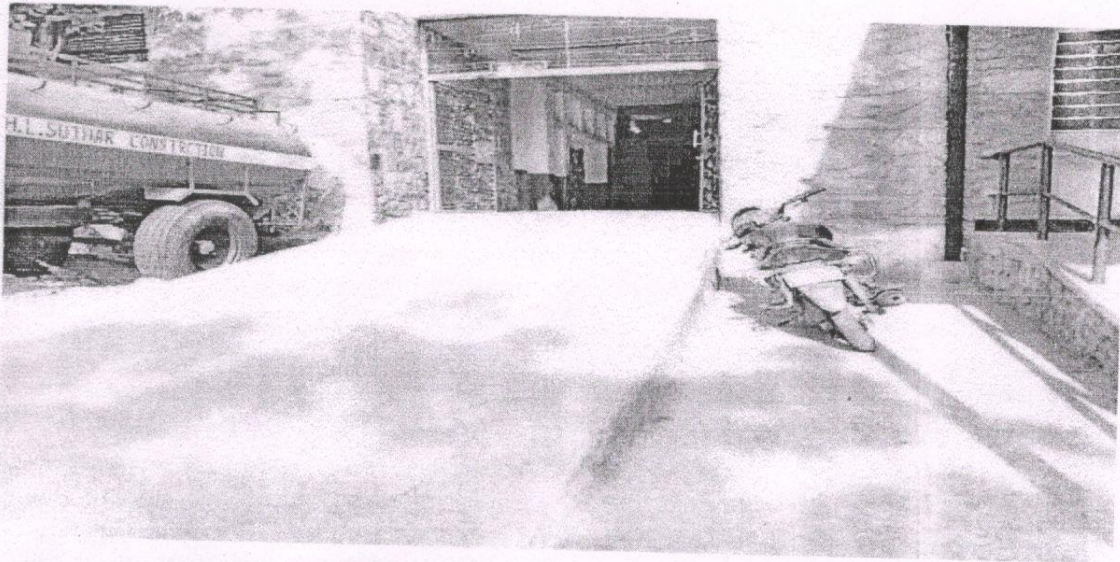
Insight behind organising training: God created the people with different abilities. Even though the disabled have high quality capabilities they are being lagged because of their disability. If we provide a solution to their lives hassle free, they can forget their disability and can live happily without inferiority. Access for all to good quality education, vocational training and workplace learning is a fundamental principle of social cohesion and economic growth. Looking to the importance of skill orientation in tailoring, skill based training was given to handicapped persons for providing them more employment earning opportunities.

Dr. Mamta Kavdia, Ms. Vasudha Kansara and all the students gave practical training to one to one participant for better understanding of product process. Fancy jewellery and its importance with jewellery were demonstrated to them for better services to consumers and attract them permanently with innovative services. Key chains with woollen pompom were also demonstrated to them so that they can use this technique for further innovations like tessals, jewellery and other home decoration items.





Ramp for Differently Able Persons



Rest Room Differently Able Persons







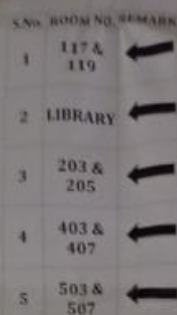


GIRLS COMMON ROOM  
14

14





[illegible]



ology & Prakrit

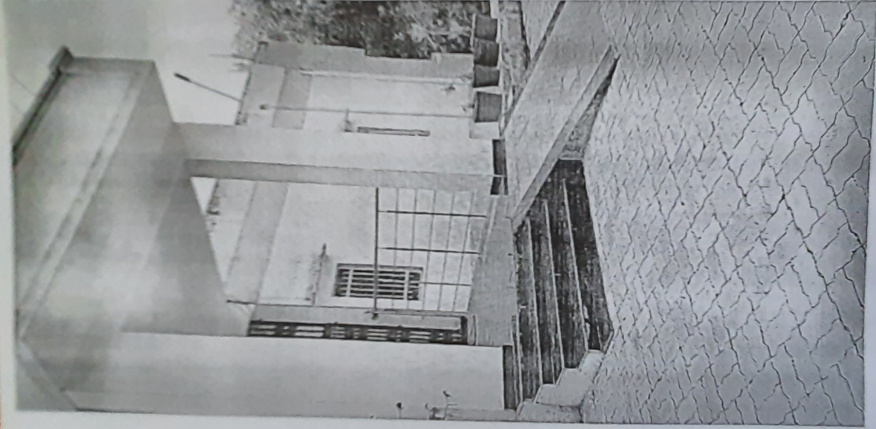
141

141



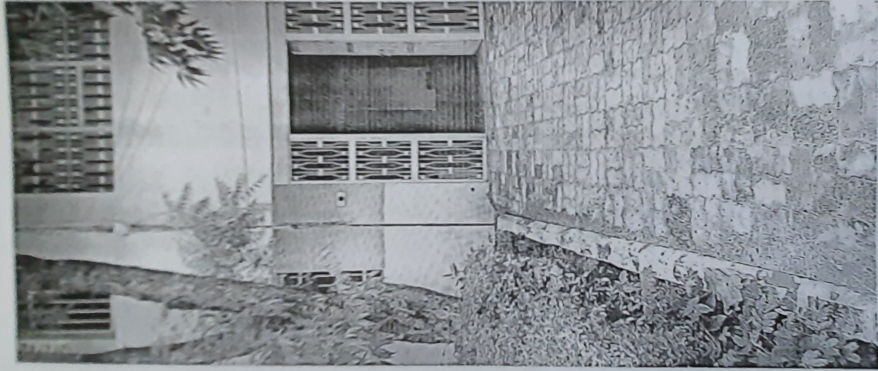


Annexure  
7.8.1(a)



AS

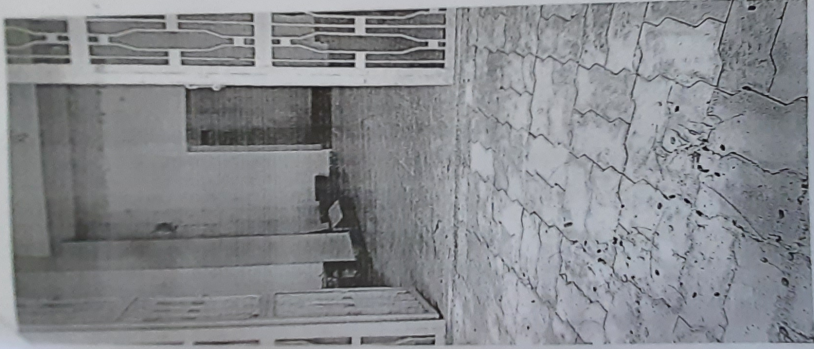
Alameda  
7-3-1162



✓



Answer:  $7.5 \cdot 2(a)$

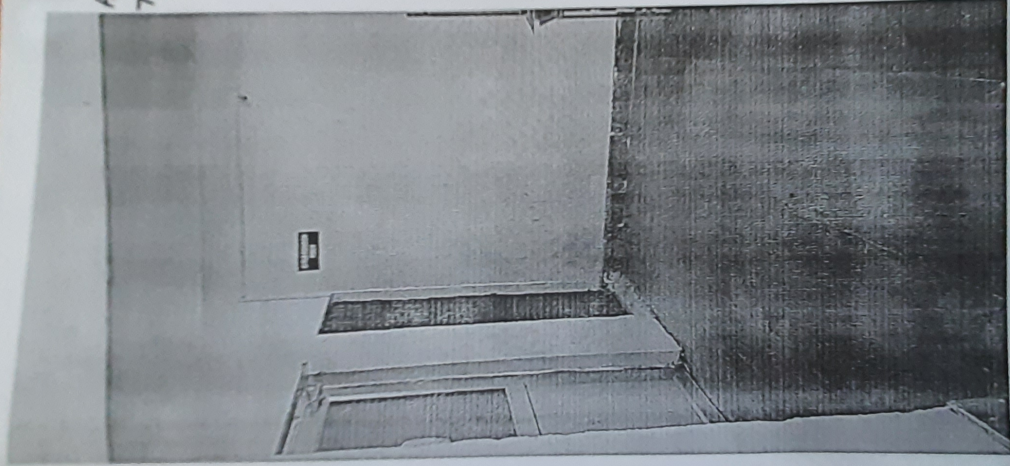


Journal of Management Education 35(1) 1-12

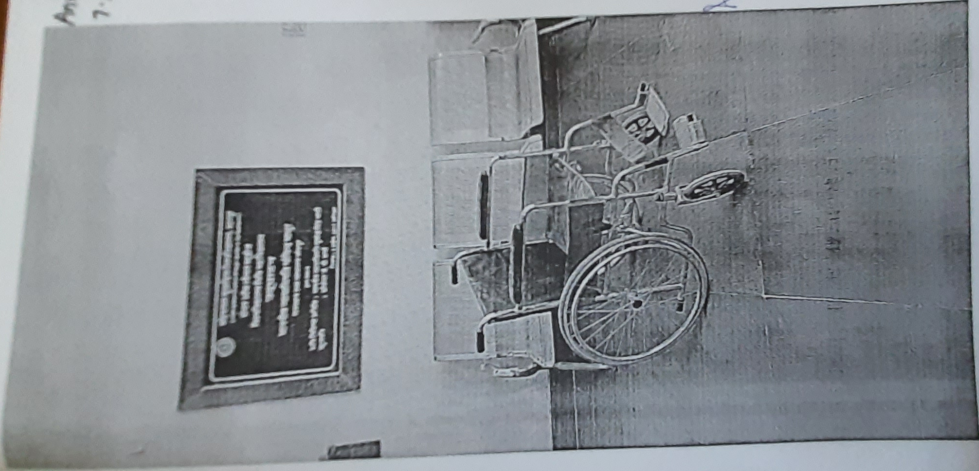
Annexure

73-2(b)

10/11



Annexure  
7-3-3





7.3.A

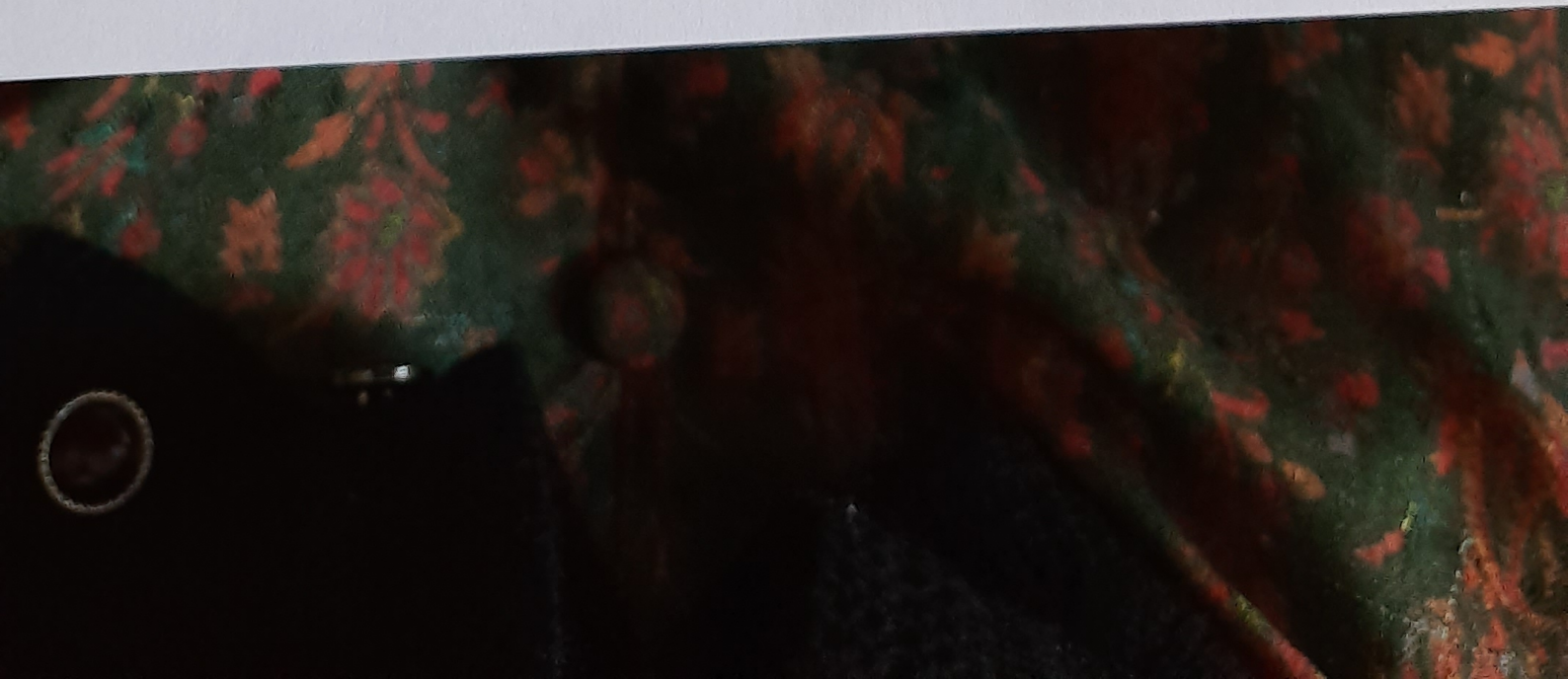




7.3.6

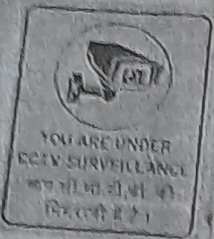
GIRLS COMMON ROOM  
14

14





7-3C



- स.स. ROOM NO. RESEARCH
- 1 117 & 119 ←
  - 2 LIBRARY ←
  - 3 203 & 205 ←
  - 4 403 & 407 ←
  - 5 503 & 507 ←



Department of Pharmaceutical Sciences  
Maharaja Subhadra University  
Udaipur

आस्था (Aastha)

**BLOOD DONATION CAMP**

On the eve of  
**WORLD PHARMACIST DAY**

24th September  
2022

Time: 10:00 AM  
to 12:00 PM

Management studies is restricted

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

Department of Pharmaceutical Sciences  
Maharaja Subhadra University  
Udaipur

Celebrates

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)

आस्था (Aastha)





**UNIVERSITY COLLEGE OF SOCIAL SCIENCES & HUMANITIES  
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR**

Prof. Pratibha

No.UCSSH/MLSU/2020-21/

Dated 06-08-2020

The Registrar  
Mohanlal Sukhadia University  
Udaipur (Raj.)

Through Proper Channel

Sub:- Information regarding number of differently abled students

Respected Sir,

With reference to your letter No. F./Gen/MLSU/2020/6205 dated 05-03-2020, please find herewith the desired information regarding no. of differently abled students in B.A., M.A. & Research related with various departments of UCSSH, MLSU.

**No. of Differently Abled students in M.A. & Research**

S.N o.	Name of Department	No. of differently abled students	No. of differently abled students	
		M.A.	Research	
1	English	Nil	Nil	
2	Hindi	Nil	01	Ms. Vimla Nayak
3	Sanskrit	Nil	Nil	
4	Rajasthani	Nil	Nil	
5	Urdu	Nil	Nil	
6	History	01	01	Ms. Shrusti Jain Mr. Mohan Kalvi
7	Political Science	Nil	Nil	
8	Pub. Admn.	Nil	01	Mr. Ali Asgar Bohra
9	Sociology	Nil	Nil	
10	Economics	Nil	Nil	
11	Geography	Nil	01	Mr. Pawan Kumar
12	Journalism	Nil	Nil	
13	Psychology	Nil (01 B.A.)	Nil	
14	Philosophy	Nil	Nil	
15	Library Science	Nil	Nil	
16	Jainology & Prakrit	Nil	Nil	
17	Music	Nil	Nil	
18	Visual Arts	Nil	Nil	
19	Women's Studies	Nil	Nil	

No. of Diffrently Abbled students in B.A.

S.N o.	Class	No. of differently abbled students			
		Ist Year	IInd Year	IIIrd Year	
1	Pass Course	16	2	27	
2	SFS	0	0	0	
3	B.A. Hons Economics	1	0	0	
4	B.A. Hons English	1	0	0	
5	B.A. Hons Hindi	1	0	0	
6	B.A. Hons History	1	0	0	
7	B.A. Hons Pol. Sc.	1	0	1	
8	B.A. Hons Sanskrit	0	0	0	
9	B.A. Hons Sociology	0	0	0	
GRAND TOTAL		21	2	28	

Thanks & Regards,



(Prof. Pratibha)

Convenor

Committee for Differently abbled students in UCSSH





Prof. Pratibha

No History /UCSSH/MLSU/2020/ 05

Dated 07-07-2020

श्रीमान अधिकाता,  
सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय  
मोहनलाल सुखाहिया विश्वविद्यालय,  
उदयपुर (राज.)

विषय- दिव्यांग छात्रों हेतु गठित समिति की संसृति ।

महोदयाजी,

आपके कार्यालय आदेश क्र. 2020-21/1197 दिनांक 26.06.2020 के संदर्भ में निवेदन है कि मोहनलाल सुखाहिया विश्वविद्यालय, उदयपुर के सामाजिक एवं मानविकी महाविद्यालय के दिव्यांग छात्रों हेतु गठित समिति की ने बैठके क्रमशः दिनांक 03.07.2020 एवं 07.07.2020 को आयोजित की गई।

समिति के सदस्यों द्वारा दिव्यांग छात्रों की सुविधा हेतु महाविद्यालय में पहल से ही उपलब्ध रम्य, क्रील डेयर आदि की सुविधाओं हेतु संतोष व्यक्त किया गया। साथ ही भविष्य में महाविद्यालय के दिव्यांग छात्रों के लिए आगाम्य एवं अध्ययन सम्बन्धी सुविधाओं हेतु सर्व सम्मति से निम्न सुझाव रखे गये -

1. वर्तमान में महाविद्यालय में दिव्यांग छात्रों की संख्या कम है, जिनके लिए भूतल पर ही कक्षाएं लगाने का प्रयास किया जा सकता है तथा इसके लिए दो कक्ष अलग से रेखांकित किये जा सकते हैं। लेकिन प्रत्येक कक्षा में दिव्यांग विद्यार्थियों के होने की स्थिति में ऐसा सम्भव नहीं हो सकेगा। अतः दूरदृष्टि रखते हुए भवन में लिफ्ट लगाने की योजना को प्राथमिकता से वरीयता दी जाये जिससे दिव्यांगों का आगमन प्रत्येक तल पर सुनिश्चित हो और एक ही तल पर कक्षों लगाने की बाधता न हो।

2. विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से यह निवेदन किया जा सकता है कि वह पूरे विश्वविद्यालय परिसर की भूमिग कर उसे गूगल मैप पर अद्यतन करे, जिससे नेत्रहीन विद्यार्थी गूगल मैप के दिशा निर्देश से अपने वांछित विभाग अथवा कक्ष तक पहुंच सकें। यदि सम्भव हो तो ऐसा ऐप (APP) भी विकसित किया जा सकता है जो नेत्रहीन विद्यार्थियों को उनके वांछित गंतव्य तक पहुंचाने में सहायक हो।

3. प्रत्येक कक्षा की अग्रिम पंक्ति में 2 क्रील डेयर जितना स्थान खाली रखा जाए, जिससे स्वयं की क्रील डेयर उपयोग करने वाले दिव्यांग छात्र वहां बैठ सकें।

4. दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु प्रत्येक तल एवं सार्वजनिक स्थानों पर एक-एक वॉशरूम स्थापित हो।

5. (1) पुस्तकालय में भी दिव्यांग विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार बैठने और पुस्तकालय का समग्र रूप में उपयोग करने की सुविधा सज्जित हो।

06

(2) नेत्रहीनों के लिए ब्रेल तथा सॉफ्टवेयर बेस्ड साहित्य देश के अन्य पुस्तकालयों तथा विभागों में उपलब्ध है, वह समन्वय स्थापित करके प्राप्त किए जाएं और महाविद्यालय के पुस्तकालय तथा विभागों में उपलब्ध कराया जाए।

(3) पुस्तकालय में एक कम्प्यूटर (नेत्रहीनों के लिए सभी जरूरी सॉफ्टवेयर से युक्त) की व्यवस्था हो जो बारी-बारी से उनके उपयोग में आ सके। इन सुविधाओं हेतु अलग से कुछ बजट आवंटित किया जाए।

6. महाविद्यालय परिसर में ऐसे कियोस्क स्थापित हो, जिनसे दिव्यांग विद्यार्थी स्वयं के अध्ययन सम्बन्धी समस्त सूचनाओं/गतिविधियों को देख-सुन तथा अपनी पेनड्राइव में डाउनलोड कर सकें। ऐसे कियोस्क के चयन अथवा डिजाईनिंग में कम्प्यूटर विभाग की सहायता ली जा सकती है। इन्हीं कियोस्क के माध्यम से पुस्तकालय की डिजिटल सामग्री को देखने, सुनने तथा पेनड्राइव में लेने की सुविधा भी हो सकती है।

7. (1) दिव्यांगों में मनोबल वृद्धि एवं सहभागिता प्रोत्साहन हेतु विशेष मनोरंजनात्मक, प्रशिक्षणात्मक एवं काउंसलिंग आदि कार्यक्रम नियमित अन्तराल पर हों, जिससे संस्था तथा सहपाठियों के प्रति उनमें पूर्ण विश्वास हो।

(2) विशेष रूप से ऐसे दिव्यांग छात्र जो आर्थिक दृष्टि से भी निर्बल हों उन्हें मानसिक त्रास से बचाने हेतु विशेष काउंसलिंग उपलब्ध कराया जाये और ट्रायसाईकिल इत्यादि संस्था में एक मद बना कर व्यक्तिगत अथवा सामूहिक दान से उपलब्ध करवाया जाये।

(3) भविष्य में महाविद्यालय की दिव्यांगों से सम्बद्ध समस्त कार्यवाहियों/समितियों में दिव्यांग छात्रों का भी प्रतिनिधित्व हो।

नई तकनीकी की सहायता से उपर्युक्त को एक हीनता-ग्रंथि के भाव से मुक्त कर समान रूप से सबके साथ खड़ा होने तथा इस माध्यम से समाज के स्वाभाविक विकास में सहयोगी होंगी।

धन्यवाद।



(प्रो. प्रतिभा)

समन्वयक



(डॉ. नीता त्रिवेदी)

सदस्य



(डॉ. खुशपाल गर्ग)

सदस्य



(डॉ. देवेंद्र सिंह चौहान)

सदस्य



(डॉ. सुमत कुमार जैन)

सदस्य




7/7/20

## उपस्थिति

मोहन लाल सुखोदिया वि. वि. के सामाजिक एवं  
मानविकी महाविद्यालय के दिव्यांग छात्रों हेतु  
गठित समिति की द्वितीय बैठक आज दिनांक

07/07/2020 अपराह्न 1.00 बजे इतिहास विभाग में कक्ष  
संख्या 114 में डॉ. प्रतिभा के कक्ष में रखी गई।

इसमें निम्न साधी उपस्थित थे -

1. डॉ. प्रतिभा
2. डॉ. नीता प्रियेदी - नीता प्रियेदी
3. डॉ. सुशपाल गर्ग - 
4. डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान 
5. डॉ. सुमत कुमार जैन 

पुनः 07/07/2020

Professor  
Department of History  
Dedicated to the Nation  
University of Rajasthan



## Meeting

03/07/2020

A meeting of committee for Differently Abled

Students in the college for the session 2020-21  
was held in History Department (Room No. 114)

on 03/07/2020 at 2:00 PM.

Following members were present.

1. Dr. Neeta Trivedi

*(Signature)*

2. Dr. Khushpal Garg.

*(Signature)*

3. Dr. D. S. Chauhan

*(Signature)*  
3.7.2020

4. Dr. Sumat Kumar Jain

*(Signature)*

Dr. D. S. Chauhan

Professor  
Department of History  
Mohar Lal Sukeshia University  
Udaipur



UNIVERSITY COLLEGE OF SOCIAL SCIENCES & HUMANITIES  
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR (Raj.)

Ph. 0294-2470143, Uni.Fax.0294-2471150

No.F /UCSSH/MLSU/ /2020-21/ 1197

Date: 27-06-2020

**OFFICE-ORDER**

A Committee of the following members is constituted for Differently Abled Students in the College for the Session 2020-21:

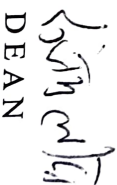
1. Prof. Pratibha	Convener
2. Dr. Sumitra Sharma	Member
3. Dr. Neeta Trivedi	Member
4. Sh. Khushpal Garg	Member
5. Dr. D. S. Chouhan	Member
6. Dr. Sumat Kumar Jain	Member Secretary

The Convener of the Committee is requested to convene a meeting and report to the undersigned.

  
DEAN

Copy to:-

1. All person concerned.
2. Guard File.

  
DEAN



## दिव्यांग छात्रों हेतु गठित समिति की बैठक रिपोर्ट एवं संस्तुति

दिनांक : 28.09.2021

श्रीमान अधिष्ठाता महोदय,

सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

**विषय :** सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के दिव्यांग छात्रों हेतु गठित समिति की बैठक रिपोर्ट एवं संस्तुति ।

महोदय,

आपके कार्यालय आदेश क्रं UCSSH/MLSU/COMMITTEE/2012/248 (27 / 08 / 2021) के सन्दर्भ में निवेदन है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर के सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के दिव्यांग छात्रों हेतु गठित समिति की बैठक दिनांक 22.09.2021 को इतिहास विभाग के कक्ष संख्या 114 में आयोजित की गई। (संलग्नक मीटिंग-मिनिट्स)

बैठक में महाविद्यालय-प्रशासन के सतर पर विगत एक वर्ष के दौरान दिव्यांग छात्रों के दृष्टिगत कराये जा रहे परिवर्तनों/निर्माण कार्यों पर संतोष व्यक्त किया गया। इनमें प्रमुख रूप से भूतल पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए एक पृथक् कक्ष तथा वॉशरूम के निर्माण पर सभी ने प्रसन्नता व्यक्त की। महाविद्यालय में स्नातक प्रवेश प्रक्रिया (वर्ष 2021-22) में उन्हें दी गई प्राथमिकता एवं विशेष व्यवस्थाओं पर भी समिति द्वारा संतोष व्यक्त किया गया।

महोदय, विगत अकादमिक सत्र में दिव्यांग छात्रों हेतु गठित समिति ने दो बैठकों के बाद संस्तुतियाँ प्रस्तुत की थी। परन्तु कुछ बिन्दुओं को छोड़कर जिन पर कार्य किया गया है या किया जा रहा है, अन्य सभी पर पुनः ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है, जिसमें लिफ्ट की व्यवस्था सर्वोपरि है।

इसके अतिरिक्त निम्न बिन्दुओं पर सहमति व्यक्त की गई –

- प्रमुखतः व्यावहारिक रूप से महाविद्यालय में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए मुक्त वातावरण (Barrier free Environment) विकसित किया जाए, जहां क्लास रूम से लेकर वॉशरूम तक गतिशीलता (Mobility) सुनिश्चित की जाए। इसके लिए सभी सीढ़ीदार जगहों पर छोटे ही सही, रेलिंग सहित, रैम्प की व्यवस्था जरूर हो। भविष्य में होने वाले सभी निर्माणों में इस तथ्य का आवश्यक रूप से ध्यान रखा जाए।
- विशेष रूप महाविद्यालय के शिक्षकों-कर्मचारियों तथा छात्रों को संवेदी (Sensative) बनाने का प्रयास हो। यह प्रयास भी जबरदस्ती किया हुआ और दया-भाव से भरा हुआ न हो, बल्कि सहज रूप से वार्षिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कथ्यों, उनमें सहभागिता आदि के द्वारा आसानी से हो।
- सबसे महत्वपूर्ण रूप से समिति द्वारा महाविद्यालय स्तर पर दिव्यांगजन सेल बनाने हेतु संस्तुति की गई है, जो इन विद्यार्थियों के लिए सभी प्रकार के उत्तरदायित्वों –सहायता, सहयोग, शिकायत (Grievance), मार्गदर्शन (Mentorship) आदि का दायित्व निभाएं। प्रस्तावित सेल में दिव्यांग विद्यार्थियों की भी सहभागिता हो।
- महाविद्यालय विवरणिका तथा विश्वविद्यालय वेबसाइट आदि के माध्यम से 'सेल' के विषय में सभी को जानकारी दी जाए। इससे सभी दिव्यांगजन विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा प्लेटफार्म सहज ही उपलब्ध हो सकेगा, जहां वे निश्चित होकर अपने से जुड़ी सभी प्रकार की जानकारियाँ ले सकने के साथ-साथ किसी भी समस्या के समाधान की दिशा भी प्राप्त कर सकेंगे।

यह सेल इन विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय प्रशासन लाइब्रेरी आदि के मध्य पुल का भी काम करेगा, जिनमें महाविद्यालय लाइब्रेरी में एक स्थान सुनिश्चित करने, वालंटियर्स (Helping group) तैयार करने (रिकार्डिंग एवं अखबार तथा किताबें पढ़ कर सुनाने एवं श्रुत लेखक (Scribe) के रूप में उपलब्ध होने) की व्यवस्था की



जा सकेगी। इस सम्बन्ध में व्हाट्स एप ग्रुप तथा सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफार्म से पर्याप्त मदद मिल सकेगी।

- विवरणिका में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय स्तर की सभी व्यवस्थाओं/सुविधाओं को प्रमुखता से दर्शाया जाए।

पूरे अकादमिक सत्र में समिति की आवश्यकतानुसार और भी बैठकें कर संस्तुतियों के पूरा होने की दिशा में कार्य करने तथा सकारात्मक वातावरण बनाने पर भी सहमति हुई।

इस सन्दर्भ में आपके निवेदन है कि समिति की संस्तुतियों को विचार-विमर्श एवं व्यापक सहमति के साथ क्रियान्वित करने का कष्ट करें।

**सधन्यवाद!**

प्रतिभा  
(प्रो. प्रतिभा)

**समन्वयक**

Sumitra Sharma  
डॉ. सुमित्रा शर्मा

नीता त्रिवेदी  
डॉ. नीता त्रिवेदी

खुशपाल गर्ग  
डॉ. खुशपाल गर्ग

डी.एस. चौहान  
डॉ. डी.एस. चौहान

सुमित कुमार जैन  
डॉ. सुमित कुमार जैन

सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर  
सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर



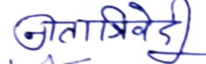




Date : 22/09/20


## Meeting

A Meeting of 'Committee for Differently Abled Students in the College' for the session 2021-22 was held in history Department (Room No.114) at 1:30 PM on 22/09/2021

following were present -

1. Prof. Pratibha
2. Dr. Sumitra Sharma
3. Dr. Neeta Trivedi
4. Dr. Kushpal Garg
5. Dr. D.S. Chauhan
6. Dr. Sumat kumar jain
7. Senior Administrative officer

Convener -   
Member   
Member   
Member   
Member   
Member   
Member 



Prof. Pratibha

Convener  
Professor  
Department of History  
Mohan Lal Sukhadia University  
Udaipur





UNIVERSITY COLLEGE OF SOCIAL SCIENCES & HUMANITIES  
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR (Raj.)

Ph. 0294-2470143, Uni.Fax.0294-2471150

No.UCSSH/MLSU/ Committee /2021/248

Date:-27.08.2021

**OFFICE-ORDER**

A Committee of the following members is constituted for Differntly Abled Students in the College for the Session 2021-22:

- |                                  |                  |
|----------------------------------|------------------|
| 1. Prof. Pratibha                | Convener         |
| 2. Dr. Sumitra Sharma            | Member           |
| 3. Dr. Neeta Trivedi             | Member           |
| 4. Dr. Kushpal Garg              | Member           |
| 5. Dr. D.S. Chouhan              | Member           |
| 6. Dr. Sumat Kumar Jain          | Member           |
| 7. Senior Administrative Officer | Member Secretary |

The Convener of the Committee is requested to convene the meeting and report to the undersigned.

  
27-8-2021  
DEAN

Copy to :-

1. All person concerned
2. Guard File

  
27-8-2021  
DEAN



Prof. Pratibha

**DEPARTMENT OF HISTORY**  
UNIVERSITY COLLEGE OF SOCIAL SCIENCES & HUMANITIES  
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR

No.History /UCSSH/MLSU/2020/05

Dated 07-07-2020

श्रीमान् अधिष्ठाता,  
समाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय  
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय,  
उदयपुर (राज.)

विषय:- दिव्यांग छात्रों हेतु गठित समिति की संस्तुति ।  
महोदयाजी,

आपके कार्यालय आदेश क्र. 2020-21/1197 दिनांक 26.06.2020 के संदर्भ में निवेदन है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के सामाजिक एवं मानविकी महाविद्यालय के दिव्यांग छात्रों हेतु गठित समिति की दो बैठकें क्रमशः दिनांक 03.07.2020 एवं 07.07.2020 को आयोजित की गईं।

समिति के सदस्यों द्वारा दिव्यांग छात्रों की सुविधा हेतु महाविद्यालय में पहले से ही उपलब्ध रैम्प, व्हील चेयर आदि की सुविधाओं हेतु संतोष व्यक्त किया गया। साथ ही भविष्य में महाविद्यालय के दिव्यांग छात्रों के लिए आधारभूत एवं अध्ययन सम्बन्धी सुविधाओं हेतु सर्व सम्मति से निम्न सुझाव रखे गये -

1. वर्तमान में महाविद्यालय में दिव्यांग छात्रों की संख्या कम है, जिनके लिए भूतल पर ही कक्षाएं लगाने का प्रयास किया जा सकता है तथा इसके लिए दो कक्ष अलग से रेखांकित किये जा सकते हैं। लेकिन प्रत्येक कक्षा में दिव्यांग विद्यार्थियों के होने की स्थिति में ऐसा सम्भव नहीं हो सकेगा। अतः दूरदृष्टि रखते हुए भवन में लिफ्ट लगाने की योजना को प्राथमिकता से वरीयता दी जाये जिससे दिव्यांगों का आवागमन प्रत्येक तल पर सुनिश्चित हो और एक ही तल पर कक्षाएँ लगाने की बाधयता न हो।
2. विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से यह निवेदन किया जा सकता है कि वह पूरे विश्वविद्यालय परिसर की मैपिंग कर उसे गूगल मैप पर अद्यतन करे, जिससे नेत्रहीन विद्यार्थी गूगल मैप के दिशा निर्देश से अपने वांछित विभाग अथवा कक्ष तक पहुंच सकें। यदि संभव हो तो ऐसा ऐप (APP) भी विकसित किया जा सकता है जो नेत्रहीन विद्यार्थियों को उनके वांछित गंतव्य तक पहुंचाने में सहायक हों।
3. प्रत्येक कक्षा की अग्रिम पंक्ति में 2 व्हील चेयर जितना स्थान खाली रखा जाए, जिससे स्वयं की व्हील चेयर उपयोग करने वाले दिव्यांग छात्र वहां बैठ सकें।
4. दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु प्रत्येक तल एवं सार्वजनिक स्थानों पर एक-एक वॉशरूम स्थापित हो।
5. (1) पुस्तकालय में भी दिव्यांग विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार बैठने और पुस्तकालय का समग्र रूप में उपयोग करने की सुविधा स्थापित हो।

N



(2) नेत्रहीनों के लिए ब्रेल तथा सॉफ्टवेयर बेस्ड साहित्य देश के अन्य पुस्तकालयों तथा विभागों में उपलब्ध है, वह समन्वय स्थापित करके प्राप्त किए जाएं और महाविद्यालय के पुस्तकालय तथा विभागों में उपलब्ध कराया जाए।

(3) पुस्तकालय में एक कम्प्यूटर (नेत्रहीनों के लिए सभी जरूरी सॉफ्टवेयर से युक्त) की व्यवस्था हो जो बायीं-बारी से उनके उपयोग में आ सके। इन सुविधाओं हेतु अलग से कुछ बजट आवंटित किया जाए।

6. महाविद्यालय परिसर में ऐसे कियोस्क स्थापित हो, जिनसे दिव्यांग विद्यार्थी स्वयं के अध्ययन सम्बन्धी समस्या सूचनाओं/गतिविधियों को देख-सुन तथा अपनी पेनड्राइव में डाउनलोड कर सकें। ऐसे कियोस्क के चयन अथवा डिजाईनिंग में कम्प्यूटर विभाग की सहायता ली जा सकती है।

इन्हीं कियोस्क के माध्यम से पुस्तकालय की डिजिटल सामग्री को देखने, सुनने तथा पेनड्राइव में लेने की सुविधा भी हो सकती है।

7. (1) दिव्यांगों में मनोबल वृद्धि एवं सहभागिता प्रोत्साहन हेतु विशेष मनोरंजनात्मक, प्रशिक्षणात्मक एवं काउंसलिंग आदि कार्यक्रम नियमित अन्तराल पर हों, जिससे संस्था तथा सहपाठियों के प्रति उनमें पूर्ण विश्वास हो।

(2) विशेष रूप से ऐसे दिव्यांग छात्र जो आर्थिक दृष्टि से भी निर्बल हों उन्हें मानसिक त्रास से बचाने हेतु विशेष काउंसलिंग उपलब्ध कराया जाये और द्रव्यसाहिक इत्यादि संस्था में एक मद बना कर व्यक्तिगत अथवा सामूहिक दान से उपलब्ध करवाया जाये।

(3) भविष्य में महाविद्यालय की दिव्यांगों से सम्बद्ध समस्या सम्पन्न कार्यक्रमार्वहियों/समितिओं में दिव्यांग छात्रों का भी प्रतिनिधित्व हो।

नई तकनीकी की सहायता से उपयुक्त को एक हीनता-ग्रंथि के भाव से मुक्त कर समान रूप से सबके साथ खड़ा होने तथा इस माध्यम से समाज के स्वाभाविक विकास में सहयोगी होंगी।

धन्यवाद।

सुता  
(प्रो. प्रतिभा)  
समन्वयक

नेत्राजिबेरी  
(डॉ. नीता त्रिवेदी)  
सदस्य

सुता  
(डॉ. सुशपाल गंगी)  
सदस्य

सुता  
(डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान)  
सदस्य

सुता  
(डॉ. सुमत कुमार जेन)  
सदस्य





फार्मसी भवन



Udaipur, Rajasthan, India

University Rd, Ganapati Nagar, Udaipur,

Rajasthan 313001, India

Lat N 24° 35' 49.30332"

Long E 73° 43' 50.34468"

29/06/20 10:34 AM



Ram

Amey 7.39



LSU, Pahada, Udaipur, Rajasthan 313001, India

Latitude 24.7091949544847° Longitude 73.7308242637664

Time: 07:54 PM  
Date: 07:54 AM  
Altitude 516 meters  
Saturday, 08-01-2022





165  
Class Room /  
Smart Room

165

UCC CENTRE  
FOR  
INCLUSIVE STUDIES





















vi) (a) After the report from the Examiner is received in the University the appropriate committee shall examine the same along with the material and tentatively determine the punishment according to norms laid down, if, in their view, prima facie case of unfair means is made out.

(b) The concerned candidate shall be served with a notice per registered post at the address given in his examination form, giving an opportunity to show cause in writing within 15 days from the date of the notice as to why he be not held guilty of the use unfair means and the proposed punishment in his case be not awarded. The notice shall be accompanied with a copy of invigilator's report, Centre Superintendent's report, Examiner's report, copy of student's own statement of any and a list of the material recovered, if any.

(c) If the reply of the candidate is received within given time, the same shall be considered by the appropriate committee which shall propose to the Board of Management of the University the punishment to be awarded to the candidate.

(d) The Board of Management shall examine the whole case including the recommendation of the committee and pass order in the case regarding the final punishment to be imposed on the candidate.

(e) Where no reply is received from the candidate to the show cause notice, the appropriate committee shall propose punishment to be awarded to the candidate. The Board of Management shall examine the case along with the recommendation of the committee and pass an order regarding the final punishment to be imposed on the candidate.

vii) In no case the candidate shall be allowed to represent himself or by an advocate.

3. Cases not covered under any of the above categories will be decided by the appropriate committee on their merits.

In addition to above rules, Govt. of Rajasthan has also issued notification on Nov. 11, 1992 vide letter No. F-3/33/Edu./3/85, dated 5th March 1993, which was sent to all Principals/Dean/Directors vide endorsement No. Sey/So/93/1474, dated 18.03.93 for necessary action at their end.

**15. On each day of Examination and as soon as possible after the commencement of the Examination the Superintendent should please see with the help of the invigilators that all candidates have correctly written their roll numbers (both in figures and words) and other particulars required to be entered on the title cover of Answer-books alongwith stickers and hologram as per instruction given by University.**

Instruction to be followed during examinations hours

16. An amanuensis may be provided to a blind candidate. The amanuensis should be a student of the standard specified below and selected by the Superintendent himself :

Instruction to be followed for blind candidates

For Post-graduate Exams	Amanuensis of degree standard
For Final Year of Undergraduate examination such as III Year TDC	Amanuensis of First Year T.D.C. standard
For Ist Year and Second Year Degree Course	Amanuensis of 10+2 Examination Standard

N.B.: The Words 'Answers written by Amanuensis' should be written by the Centre Superintendent on the title cover of the answer-books written by an Amanuensis.

**16. A. Procedure to be followed by providing an amanuensis to a candidate who meets with an accident during Examination days :**

An amanuensis may be provided to a candidate who meets with an accident during the days of examination and requested for an amanuensis. Following procedure should be adopted in this connection :

(a) The candidate who meets with an accident during the days of examination and requests for an amanuensis, should normally meet the Centre Superintendent, at least 24 hours before the commencement of the examination, together with the following declarations :

**FOR CANDIDATES :**

I..... Son of Shri .....  
Resident of .....  
do hereby affirm as under :

- (1) That I have suffered an injury as a result of an accident on .....
- (2) That I was treated by Dr..... and that the Medical Certificate furnished by me from the Principal Medical and Health Officer of the District is a genuine one.
- (3) That the amanuensis Shri..... son of.....  
Resident of..... is a student of.....

I understand that the permission granted by the Centre Superintendent for amanuensis is purely provisional. If any of the statements as given above is not correct, my examination may be cancelled without prejudice to any legal action that may be taken in the matter by the University.

Signature of the candidate with local address



**FOR AMANUENSIS :**

I ..... Son of Shri.....  
Resident of.....  
hereby affirm as under :

1. That I am student of ..... of ..... college.
2. That I have been asked to act as an amanuensis for .....  
..... Son of..... Resident of.....  
who has met with an accident and is not in a position to write in the  
examination himself.
3. Shri..... is not related to me.

I understand that if any of the statement made above are found to be  
incorrect, I am liable to legal action which may be taken by the University  
in this matter.

*Signature of the amanuensis with local address*

(b) The amanuensis should be a student of the standard as specified in  
para 16 above.

(c) The examinee who meet with an accident should submit medical  
certificate from the Principal Medical and Health Officer of District or by a  
Medical Board.

(d) The same amanuensis should continue for all the examination  
days.

(e) The Centre Superintendent should report each such case to the  
University with full details about both the candidates (original candidates  
and the amanuensis).

N.B.: The words Answers written by the Amanuensis should be written  
in red ink by the Centre Superintendent on the title cover of the  
answer-books.

17. (a) The Superintendent will kindly inform the candidate that no  
other medium is allowed except Hindi or English (where permissible be) for  
answering question papers.

(b) The Superintendents are requested kindly to inform the candidate  
that they should answer the question paper through only that medium  
which is permitted for examination.

18. The Superintendent should please inform the candidates that  
answering the same question more than once or answering more questions  
than required shall be deemed an offence amounting to cheating. They  
should also be informed that they must not write their roll numbers at the  
end of the last answer. The invigilators may be asked to check and write  
Roll No., where missing before handing over the answer-books to the person  
deputed for the purpose.





## GROUND FLOOR

Wing I - DEAN OFFICE, CONTROL ROOM, STUDENT UNION OFFICE, STORE,  
JAINOLOGY & PRAKRIT, HISTORY, ENGLISH, READYMADE GARMENTS, LIBRARY

← CLASS ROOM NO.- 143, 145, 146, 148

Wing II - RAJ., URDU, PSYCHOLOGY, SANSKRIT, PHILOSOPHY, VISUAL ARTS, MUSIC

## FIRST FLOOR

Wing I - SOCIOLOGY, ECONOMICS, PUBLIC ADMN., POL. SC. ↑

CLASS ROOM NO.- 201-208, 220, 221, 223, 237, 238, 240, 241

Wing II - HINDI, GEOGRAPHY, GEOGRAPHY HALL

## SECOND FLOOR

SANSKRIT ↑

CLASS ROOM NO.- 301-306, 319, 321, 322, 323, 324, 325

## THIRD FLOOR

JOURNALISM, PHYSICAL EDUCATION











C7-3

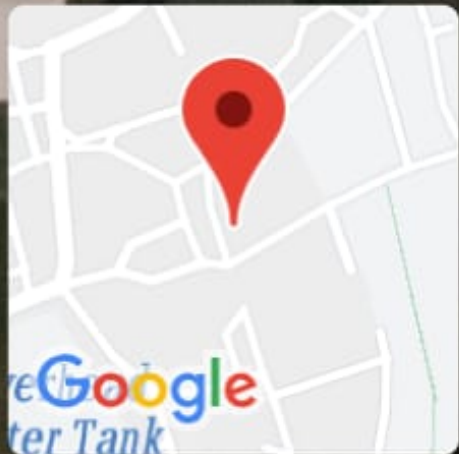


Ramp - 7.3.1



### Annexure 7.3.2





## Udaipur, Rajasthan, India

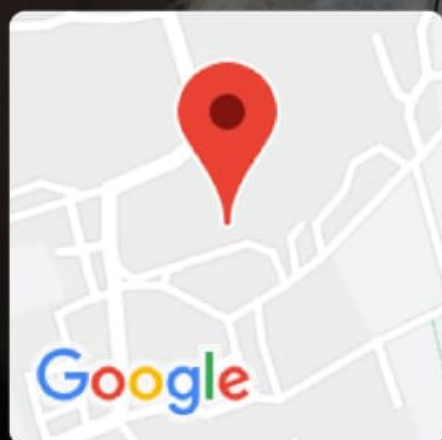
115, Pahada, Udaipur, Rajasthan 313001, India

Lat N 24° 35' 38.98608"

Long E 73° 43' 53.15376"

22/07/20 10:27 AM





## Udaipur, Rajasthan, India

University Rd, Ganapati Nagar, Udaipur, Rajasthan  
313001, India

Lat N 24° 35' 43.82664"

Long E 73° 43' 50.93976"

24/07/20 11:39 AM



## Udaipur, Rajasthan, India

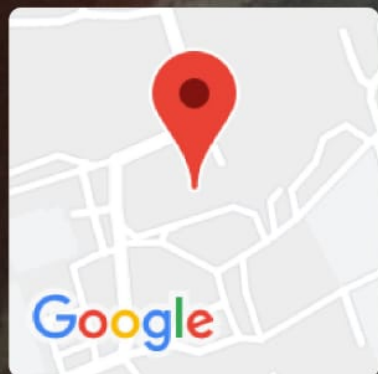
University Rd, Ganapati Nagar, Udaipur, Rajasthan 313001, India

Lat N 24° 35' 43.656"

Long E 73° 43' 49.20168"

24/07/20 11:38 AM





## Udaipur, Rajasthan, India

University Rd, Ganapati Nagar, Udaipur, Rajasthan 313001, India

Lat N 24° 35' 43.89756"

Long E 73° 43' 49.94148"

24/07/20 11:38 AM



## Udaipur, Rajasthan, India

University Rd, Ganapati Nagar, Udaipur, Rajasthan 313001, India

Lat N 24° 35' 43.68084"

Long E 73° 43' 49.1574"

24/07/20 11:38 AM



Annexure  
7.3.1(a)

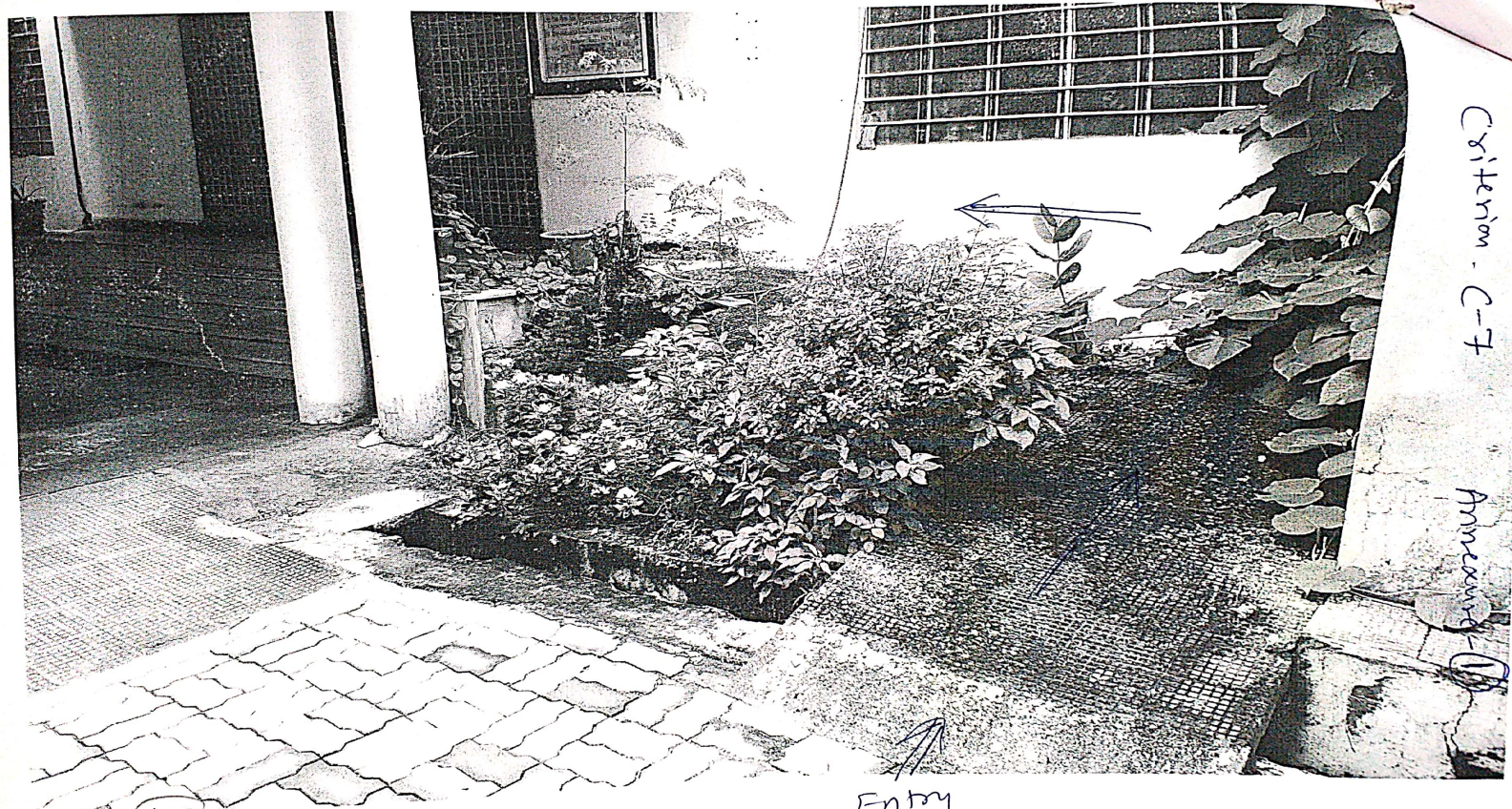




Annexure  
7.3.1(b)







Criterion - C-7

Amesbury - D

133  
Pharmacy

Entry





RAMP FOR DIVYANGJANS.



✓ (d) **ONE HOUR EXTRA TIME BE GIVEN TO BLIND CANDIDATES FOR ANSWERING THEIR QUESTION PAPERS AT THE EXAMINATION.**

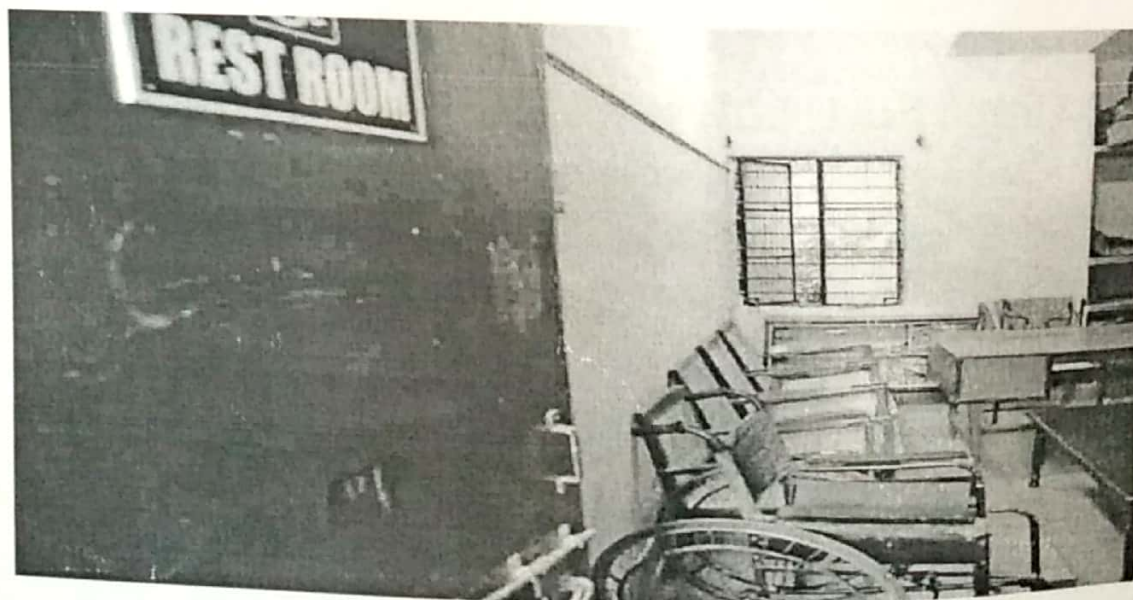
(e) Candidates are to be admitted in the examination room without books, papers of reference material of any kind. The Centre Superintendent should make suitable arrangement for placing books etc. outside the examination rooms. The place for keeping books/papers etc. by the candidates should be announced by them with a note of warning that they should keep their belongings outside before entering the examination hall and that if any body is found in possession of paper, chits or any unfair-means and dealt with accordingly.

# University College of Social Sciences and Humanities

## Ramp for Differently Able Persons



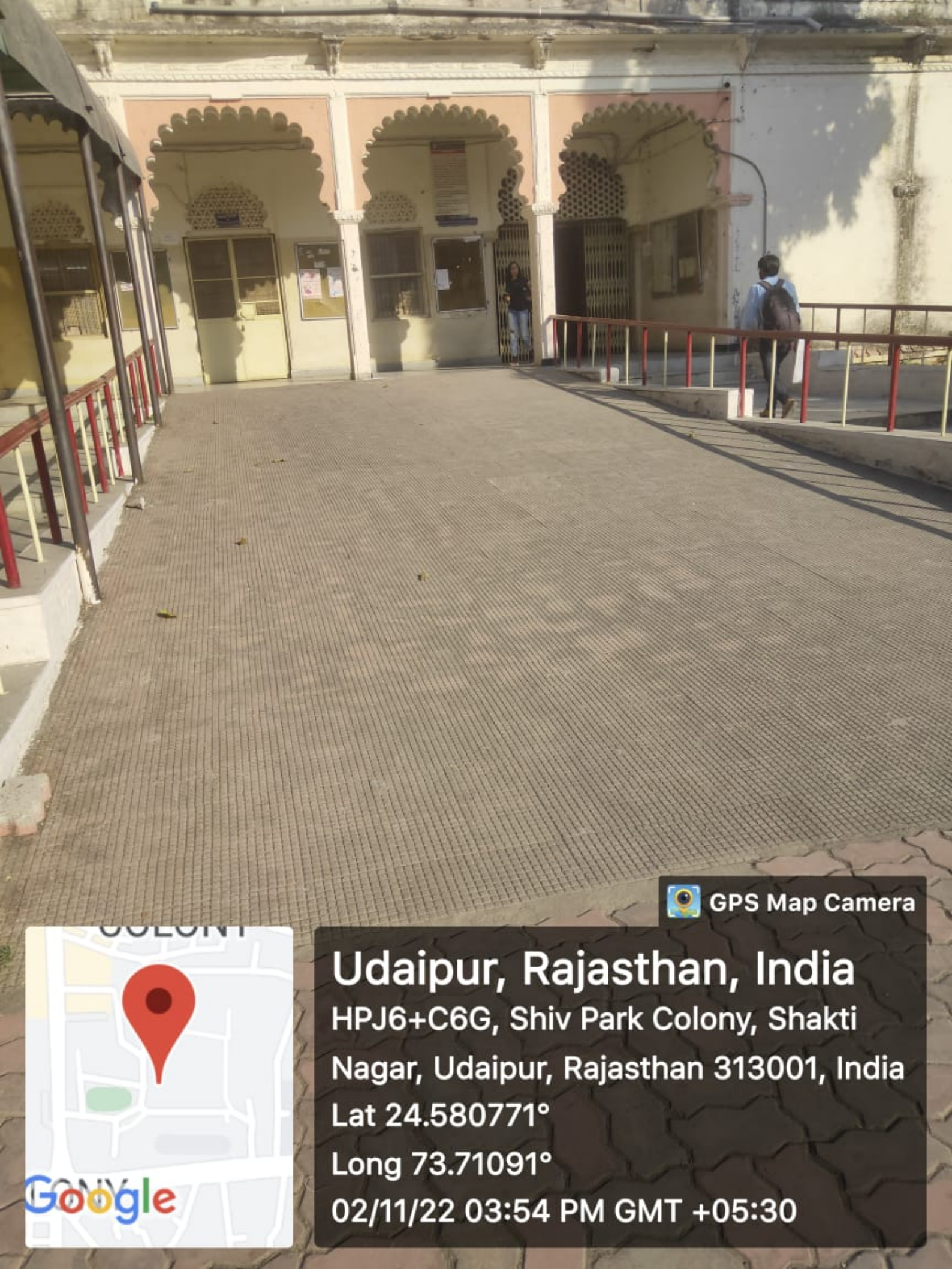
## Rest Room Differently Able Persons



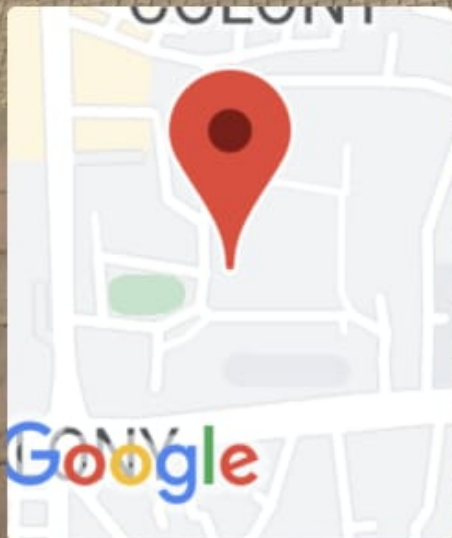
Dean  
UCSS  
(242)

DEAN  
COLLEGE OF SOCIAL  
& HUMANITIES





GPS Map Camera



**Udaipur, Rajasthan, India**  
HPJ6+C6G, Shiv Park Colony, Shakti  
Nagar, Udaipur, Rajasthan 313001, India  
Lat 24.580771°  
Long 73.71091°  
02/11/22 03:54 PM GMT +05:30



DEAN OFFICE



LIBRARY



VIVEKANAND HALL  
SWARN JAYANTI HALL



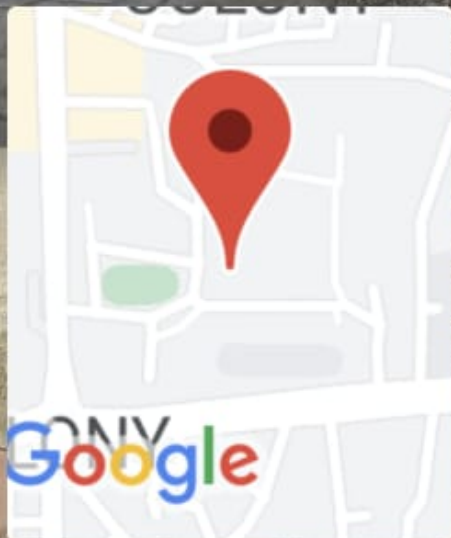
MATHEMATICS & STATISTICS DEPTT.



POLYMER SCIENCE DEPTT.  
BOTANY RESEARCH LABS



GPS Map Camera



**Udaipur, Rajasthan, India**

Maharana Bhupal Campus, HPJ6+69G, Shiv  
Park Colony, Shakti Nagar, Udaipur, Rajasthan  
313001, India

Lat 24.580689°

Long 73.710971°

02/11/22 03:54 PM GMT +05:30



ET





# Pandit Deendayal Upadhyay Block

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ब्लॉक



DIVINE



# Pandit Deendayal Upadhyay Block

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ब्लॉक



DIVINE





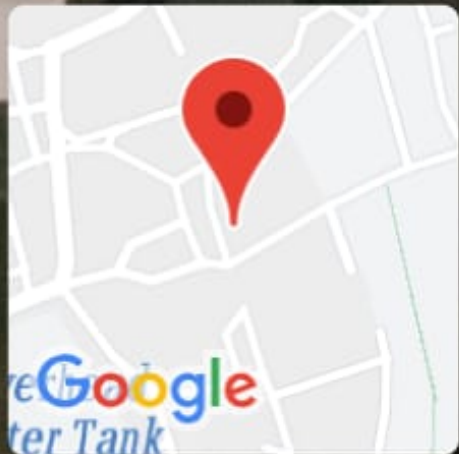












## Udaipur, Rajasthan, India

115, Pahada, Udaipur, Rajasthan 313001, India

Lat N 24° 35' 38.98608"

Long E 73° 43' 53.15376"

22/07/20 10:27 AM

दिव्यांग छात्रों हेतु गठित समिति की बैठक रिपोर्ट एवं संस्तुति

दिनांक : 28.09.2021

श्रीमान अधिष्ठाता महोदय,

सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

विषय : सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के दिव्यांग छात्रों हेतु गठित समिति की बैठक रिपोर्ट एवं संस्तुति।

महोदय,

आपके कार्यालय आदेश क्रं UCSSH/MLSU/COMMITTEE/2012/248 (27/08/2021) के सन्दर्भ में निवेदन है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर के सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के दिव्यांग छात्रों हेतु गठित समिति की बैठक दिनांक 22.09.2021 को इतिहास विभाग के कक्ष संख्या 114 में आयोजित की गई। (संलग्नक मीटिंग-मिनट्स)

बैठक में महाविद्यालय-प्रशासन के सतर पर विगत एक वर्ष के दौरान दिव्यांग छात्रों के दृष्टिगत कराये जा रहे परिवर्तनों/निर्माण कार्यों पर संतोष व्यक्त किया गया। इनमें प्रमुख रूप से भूतल पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए एक पृथक् कक्ष तथा वॉशरूम के निर्माण पर सभी ने प्रसन्नता व्यक्त की। महाविद्यालय में स्नातक प्रवेश प्रक्रिया (वर्ष 2021-22) में उन्हें दी गई प्राथमिकता एवं विशेष व्यवस्थाओं पर भी समिति द्वारा संतोष व्यक्त किया गया।

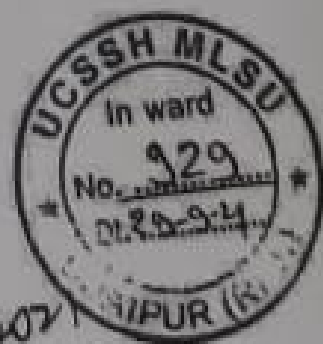
महोदय, विगत अकादमिक सत्र में दिव्यांग छात्रों हेतु गठित समिति ने दो बैठकों के बाद संस्तुतियाँ प्रस्तुत की थी। परन्तु कुछ बिन्दुओं को छोड़कर जिन पर कार्य किया गया है या किया जा रहा है, अन्य सभी पर पुनः ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है, जिसमें लिफ्ट की व्यवस्था सर्वोपरि है।

P. A.

धर्म

29-09-21

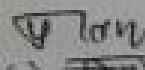
29.9.2021







- (2) नेत्रहीनों के लिए ब्रेल तथा सॉफ्टवेयर वेब साहित्य देश के अन्य पुस्तकालयों तथा विभागों में उपलब्ध है, वह समन्वय स्थापित करके प्राप्त किए जाएं और महाविद्यालय के पुस्तकालय तथा विभागों में उपलब्ध कराया जाए।
- (3) पुस्तकालय में एक कंप्यूटर (नेत्रहीनों के लिए सभी जरूरी सॉफ्टवेयर में मुक्त) की व्यवस्था हो जो बारी-बारी से उनको उपयोग में आ सके। इन सुविधाओं हेतु अलग से कुछ बजट आवंटित किया जाए।
6. महाविद्यालय परिसर में ऐसे कियोस्क स्थापित हो, जिनसे दिव्यांग विद्यार्थी स्वयं के अध्ययन सम्बन्धी समस्त सूचनाओं/गतिविधियों को देख-सुन तथा अपनी पेनड्राइव में डाउनलोड कर सकें। ऐसे कियोस्क के चयन अथवा डिजाइनिंग में कंप्यूटर विभाग की सहायता ली जा सकती है। इन्हीं कियोस्क के माध्यम से पुस्तकालय की डिजिटल सामग्री को देखने, सुनने तथा पेनड्राइव में लेने की सुविधा भी हो सकती है।
7. (1) दिव्यांगों में मनोबल वृद्धि एवं सहभागिता प्रोत्साहन हेतु विशेष मनोरंजनात्मक, प्रशिक्षणात्मक एवं काउंसलिंग आदि कार्यक्रम नियमित अन्तराल पर हों, जिससे संस्था तथा सहपाठियों के प्रति उनमें पूर्ण विश्वास हो।
- (2) विशेष रूप से ऐसे दिव्यांग छात्र जो आर्थिक दृष्टि से भी निर्बल हों उन्हें मानसिक त्रास से बचाने हेतु विशेष काउंसलिंग उपलब्ध कराया जाये और ट्रायसाइकिल इत्यादि संस्था में एक मद बना कर व्यक्तिगत अथवा सामूहिक दान से उपलब्ध करवाया जाये।
- (3) भविष्य में महाविद्यालय की दिव्यांगों से सम्बद्ध समस्त कार्यवाहियों/समितियों में दिव्यांग छात्रों का भी प्रतिनिधित्व हो।
- नई तकनीकी की सहायता से उपर्युक्त को एक हीनता-ग्रथि के भाव से मुक्त कर समान रूप से सबके साथ खड़ा होने तथा इस माध्यम से समाज के स्वाभाविक विकास में सहयोगी होंगी।

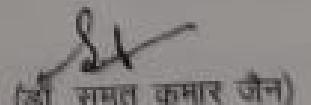
धन्यवाद।

  
(प्रो. प्रतिमा)  
समन्वयक

  
(डॉ. नीता त्रिवेदी)  
सदस्य

  
(डॉ. रुपाली गर्ग)  
सदस्य

  
(डॉ. देवेन्द सिंह चौहान)  
सदस्य

  
(डॉ. सुमत कुमार जैन)  
सदस्य

इसके अतिरिक्त निम्न बिन्दुओं पर सहमति व्यक्त की गई -

- प्रमुखतः व्यावहारिक रूप से महाविद्यालय में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए मुक्त वातावरण (Barrier free Environment) विकसित किया जाए, जहां क्लास रूम से लेकर वॉशरूम तक गतिशीलता (Mobility) सुनिश्चित की जाए। इसके लिए सभी सीढ़ीदार जगहों पर छोटे ही सही, रेलिंग सहित, रैम्प की व्यवस्था जरूर हो। भविष्य में होने वाले सभी निर्माणों में इस तथ्य का आवश्यक रूप से ध्यान रखा जाए।
- विशेष रूप से महाविद्यालय के शिक्षकों-कर्मचारियों तथा छात्रों को संवेदी (Sensitive) बनाने का प्रयास हो। यह प्रयास भी जबरदस्ती किया हुआ और दया-भाव से भरा हुआ न हो, बल्कि सहज रूप से वार्षिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कथ्यों, उनमें सहभागिता आदि के द्वारा आसानी से हो।
- सबसे महत्वपूर्ण रूप से समिति द्वारा महाविद्यालय स्तर पर दिव्यांगजन सेल बनाने हेतु संस्तुति की गई है, जो इन विद्यार्थियों के लिए सभी प्रकार के उत्तरदायित्वों -सहायता, सहयोग, शिकायत (Grievance), मार्गदर्शन (Mentorship) आदि का दायित्व निभाए। प्रस्तावित सेल में दिव्यांग विद्यार्थियों की भी सहभागिता हो।
- महाविद्यालय विवरणिका तथा विश्वविद्यालय वेबसाइट आदि के माध्यम से 'सेल' के विषय में सभी को जानकारी दी जाए। इससे सभी दिव्यांगजन विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा प्लेटफार्म सहज ही उपलब्ध हो सकेगा, जहां वे निश्चिंत होकर अपने से जुड़ी सभी प्रकार की जानकारी ले सकने के साथ-साथ किसी भी समस्या के समाधान की दिशा भी प्राप्त कर सकेंगे।

यह सेल इन विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय प्रशासन लाइब्रेरी आदि के मध्य पुल का भी काम करेगा, जिनमें महाविद्यालय लाइब्रेरी में एक स्थान सुनिश्चित करने, वालंटियर्स (Helping group) तैयार करने (रिकार्डिंग एवं अखबार तथा किताबें पढ़ कर सुनाने एवं श्रुत लेखक (Scribe) के रूप में उपलब्ध होने) की व्यवस्था की